संविधान + राज्यव्यवस्था
दिनाँक- 10-06-2020

A
- 1909 का अधिनियम मुस्लिम वर्ग के पृथक निर्वाचन के कारण साम्प्रदायिकता का जनक कहलाता है
- इससे सदस्यो को बजट पर वोटिंग का अधिकार मिला
- सत्येन्द्र सिन्हा वायसराय कार्यकारिणी के प्रथम भारतीय सदस्य बने।

B
- पं० जवाहरलाल नेहरू ने 13 दिसम्बर 1946 को संविधान सभा के समक्ष उद्देश्य प्रस्ताव रखा।
- यही बाद मे संविधान की प्रस्तावना का मूल बना।
- प्रस्ताव मे "भारतीयो के सपनो" का भारत देखना हो दिखाई पड़ता है।

C
- ऐसी व्यवस्था जिसमे विधियो को बनाने का पूर्ण अधिकार संसद का होता है।
- संसद मे वास्तव मे जनता के प्रतिनिधी होते है
- विदेन व्यवस्था को जन्म दाता कहलाती है।

आकार IAS
160/4, A B Road, Pipliya Rao, Near Vishnupuri I-Bus Stop, Indore (MP)
aakarias2014@gmail.com
www.aakarias.com
9713300123, 8770675662
2020-8-19 18:01

संविधान + राज्यव्यवस्था
दिनांक - 10-08-2020

A

- 1909 का अधिनियम मुस्लिम वर्ग के पृथक निर्वाचन के कारण साम्प्रदायिकता का जनक कहलाता है
- इसमे सदस्यो को बजट पर वोटिंग का अधिकार मिला
- सत्येन्द्र सिन्हा वायसराय कार्यकारिणी के प्रथम भारतीय सदस्य बने।

B

- पं० जवाहरलाल नेहरू ने 13 दिसम्बर 1946 को संविधान सभा के समक्ष उद्देश्य प्रस्ताव रखा।
- यही बाद मे संविधान की प्रस्तावना का मूल बना।
- प्रस्ताव मे "भारतीयो के सपनो" का भारत कैसा हो दिखाई पड़ता है।

C

- ऐसी व्यवस्था जिसमे विधियो को बनाने का पूर्ण प्राधिकार संसद का होता है।
- संसद मे वास्तव मे जनता के प्रतिनिधी होते है
- ब्रिटेन व्यवस्था की जन्म दाता कहलाती है।

आकार IAS
160/4, A B Road, Pipliya Rao, Near Vishnupuri I-Bus Stop, Indore (MP)
aakarias2014@gmail.com
www.aakarias.com
9713300123, 8770675662

2020-8-19 18:01

प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. लोक सेवा आयोग
1 D	भारतीय राष्ट्रीय पंचांग एक सरकारी सिविल कैलेण्डर है।
	यह शक संवत पर आधारित है।
	इसे 22 मार्च 1957 मे अपनाया गया, इसका प्रथम माह चैत्र होता है।
1 E	- राज्यो के बीच सहयोगपूर्ण ढंग से कार्य करने के लिए क्षेत्रीय या आंचलिक का गठन किया।
	- इनकी संख्या 5 है।
	- मध्यप्रदेश मध्य आंचलिक परिषद मे छत्तीसगढ उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड के साथ है।
	यह सलाहकारी फोरम के रूप मे कार्य करती है।
1 F	अनुच्छेद -13 मौलिक अधिकारो से असंगत विधिया और उनके अल्पीकरण का प्रावधान करता है।
	विधियां उस मात्रा तक शून्य होगी जहां वे - भाग-3 के उपबन्धो से असंगत है।
	- यह न्यायल को न्यायिक पुर्नाविलोकन की शक्ति प्रदान करता है।

2020-8-19 18:01

प्रश्न संख्या	
I	G

- निवारक निरोध राज्य को शक्ति प्रदान करता कि कोई संभावित अपराध से संबंधित व्यक्ति को हिरासत में लिया जाए।
- राज्य की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था, आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे आधारों पर।

I	H

मंत्रीपरिषद में चार तीन श्रेणियां - कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री, उपमंत्री होते हैं, मंत्रीमंडल में केवल कैबिनेट मंत्री होते हैं।
मंत्रीपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति जिम्मेदार होती है, मंत्रीमंडल राजनैतिक निर्णय लेती है।

I	I

- पी॰ के॰ थुंगन समिति पंचायती राज्य पर विचारों के लिए गठित।
- इसने पंचायतों को संवैधानिक दर्जा देने की सिफारिश की।
- 1989 में गठित।

I J

अनु 361 प्रावधानित करता है राष्ट्रपति अथवा राज्यपाल को अपने शक्तियों के प्रयोग के लिए न्यायालय के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।
- कार्यकाल के दौरान कोई भी दाण्डिक कार्यवाही संस्थित नहीं की जा सकेगी।

I K

प्रतिस्पर्धा अधिनियम-2002 के तहत गठित प्रतिस्पर्धा आयोग 6 सदस्यों व एक अध्यक्ष से मिलकर बनता है
कार्य - उपभोक्ता हितों का संरक्षण।
- बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना तथा एकाधिकार की प्रवृत्तियों को रोकना।

I L

- अनु० 266 अनुसार सरकार का सारा धन (कर राजस्व तथा ऋण, उधार) संचित निधि में होता है।
- विनियोग अधिनियम या अनुपूरक अनुदान द्वारा ही निकासी।
- इस पर भारित वेतन, भत्ते भारित व्यय पर मतदान नहीं होता है।

मुख्य परीक्षा
म.प्र. लोक सेवा आयोग

1 m

भारत मे राष्ट्रीय दल बनने के लिए कम से कम 4 राज्यो के आमचुनाव मे 6% वैधमत तथा राज्यो से 4 लोकसभा सीट प्राप्त।
अथवा
- दो प्रतिशत लोकसभा स्थान जो भिन्न 3 राज्योसे
- कम से कम चार राज्यो मे राज्यस्तरीय दल
उदा० भारतीय जनता पार्टी, बहुजन समाजवादी पार्टी

1 N

जनवरी 2019 मे पारित 103वाँ संविधान संशोधन विधेयक आर्थिक रूप से पिछडे वर्ग के लिए 10% आरक्षण की व्यवस्था करता है।

1 O

अनु० 127 के तहत सर्वोच्च न्यायलय की गणपूर्ति न होने पर न्यायधीश की योग्यता रखने रखने वाले न्यायधीश की नियुक्ति की जाती है।
तदर्थ न्यायधीश वे सभी अधिकार रखते जो न्यायधीशों को प्राप्त है।

आकार IAS
160/4, A B Road, Pipliya Rao, Near Vishnupuri I-Bus Stop, Indore (MP)
aakarias2014@gmail.com
www.aakarias.com
9713300123, 8770675662

2020-8-19 18:01

2 A

भारतीय राष्ट्रपति को आपातकाल मे अद्वितीय शक्तियाँ प्रदान की गई।

आपातकाल की उद्घोषणा राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है जिसके निम्न तीन आधार अनुच्छेद 352 मे वर्णित है :

(i) किसी राष्ट्र से युद्ध

(ii) कोई बाह्य आक्रमण

(iii) देश मे अन्दर आन्तरिक अशाँति

आन्तरिक अशाँति के आधार का दुरुपयोग बार-बार न हो सके इसे ध्यान मे रखकर मोरारजी देसाई सरकार ने 44वे संशोधन द्वारा ~~उसको~~ आन्तरिक अशाँति के स्थान पर "सशस्त्र विद्रोह" शब्द कर दिया।

राष्ट्रीय आपात एक आकस्मिक विपत्ति

आकार IAS
160/4, A B Road, Pipliya Rao, Near Vishnupuri I-Bus Stop, Indore (MP)
aakarias2014@gmail.com
www.aakarias.com
9713300123, 8770675662

2020-8-19 18:02

का सूचक है न कि राजनैतिक लाभ लेने का। अतः इसके आधार तथ्यपरक होना आवश्यक है।

2020-8-19 18:02

2 B

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक अनुच्छेद के अनुसार एक स्वतंत्र प्राधिकरण है जो सार्वजनिक धन का प्रमुख संरक्षक माना जाता है।

कार्य व शक्तियां

(i) कैग भारत की संचित निधी प्रत्येक राज्य, केन्द्रशासित प्रदेश जिसकी विधानसभा है, संबंधी खर्चों के परीक्षण की शक्ति रखता है।

(ii) आकस्मिक निधी और लोक निधी के खर्चों का परीक्षण।

(iii) सभी लेखा कैग द्वारा निर्धारित प्रारूप मे होते है।

(iv) कैग की रिपोर्ट के आधार पर न्यायलय की कार्यवाही की जा सकती है।

कर्तव्य: (i) लोक निधी का ऑडिट।

(ii) भ्रष्टाचार को उजागर करना।

निष्कर्षतः कैग के कार्यक्षेत्र मे वृद्धि कर लोक व्यय की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

आकार IAS | 160/4, A B Road, Pipliya Rao, Near Vishnupuri I-Bus Stop, Indore (MP)
aakarias2014@gmail.com
aakarias.com

2020-8-19 18:02

2 C

52वे संविधान संशोधन-1985 द्वारा राजनीतिक दल परिवर्तन संबंधी शर्तें निर्धारित की गई।

विशेषताएँ:

(i) यदि कोई सदस्य स्वेच्छा से राजनैतिक दल की सदस्या दे तो वह अपनी संसद सदस्या खो देता है।

(ii) राजनैतिक दल के विपरीत मत देने पर भी निरर्हताएं लागू होती है।

(iii) कोई निर्दलीय सदस्य राजनैतिक दल की सदस्यता लेने पर निर्हर होगा।

(iv) 1/3 सदस्य दल से बाहर गठन कर ले तो सदस्यता बरकरार रहती है।

(v) यदि कोई पीठासीन अधिकारी स्वेच्छता से सदस्या छोड़ दे तब भी सदस्यता बरकरार।

2020-8-19 18:02

इस प्रकार यह अधिनियम विधायकों व सांसदों की खरीद फरोख्त रोकने तथा विरुद्ध से विचारधारा से जुड़ने संबंधी सभी प्रावधानों को स्पष्ट करता है।

आकार IAS
160/4, A B Road, Pipliya Rao, Near Vishnupuri I-Bus Stop, Indore (MP)
aakarias2014@gmail.com
www.aakarias.com
9713300123, 8770675662

2020-8-19 18:02

2 E

लोकलेखा समिति सबसे पुरानी वित्तीय समिति है इसे प्राकलन समिति की जुड़वा बहन कहा जाती है।

लोकलेखा समिति की भूमिका :

(i) यह कैग की रिपोर्टो पर विचार कर उसकी जाँच करती है।

(ii) ~~यह~~ लोकलेखा समिति लोक निधी के संरक्षक की भूमिका निभाती है।

(iii) यह सरकार को संसद के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाती है।

(iv) इसका अध्यक्ष विपक्षी दल का नेता होता है जिससे सरकारी व्ययो पर इसकी तीखी नजर होती है।

(v) इसमे राज्यसभा से 7 तथा लोकसभा के 15 सदस्य होते है जिससे दोनो सदनो का प्रतिनिधित्व करती है।

आकार IAS
160/4, A B Road, Pipliya Rao, Near Vishnupuri I-Bus Stop, Indore (MP)
aakarias2014@gmail.com
www.aakarias.com
9713300123, 8770675662

बोफोर्स तोप घोटाला, कोयला, 2जी स्पेक्ट्रम जैसे घोटालो को उजागर कर अपनी भूमिका स्वयं सिद्ध की है।

2020-8-19 18:02

२ F

भारतीय संघीय व्यवस्था मे राष्ट्रीय एकता एवं सुदृढ़ता बनाये रखने के लिए निम्न एकात्मक लक्षण दिखाई देते है:

- एकीकृत न्याय व्यवस्था
- एकल नागरिकता
- समवर्ती सूची मे केन्द्र सशक्त
- अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र के पास
- संघ व राज्य का संयुक्त संविधान
- राज्यो के सीमा व पुर्नगठन केन्द्र के पास
- राज्य मे राज्यपालो की नियुक्ति
- राष्ट्रपति शासन मे केन्द्र की शक्ति का विस्तार

आकार IAS
160/4, A B Road, Pipliya Rao, Near Vishnupuri I-Bus Stop, Indore (MP)
aakarias2014@gmail.com
www.aakarias.com
9713300123, 8770675662

2020-8-19 18:02

2 ब

न्यायिक पुनरावलोकन न्यायलय की वह शक्ति है जिसके माध्यम से वह संविधान की रक्षा करता है।

न्यायिक पुनरावलोकन का महत्व

- (i) संविधान के संरक्षण मे।
- (ii) मूल अधिकारो के अबाध्य क्रियान्वयन मे।
- (iii) न्यायालय के स्वयं के निर्णयो की समीक्षा मे।
- (iv) सरकार की निरंकुशता को रोकने मे
- (v) कानूनो की उचित व्याख्या करने तथा उन्हे अमान्य घोषित करने मे।
- (vi)

2020-8-19 18:02

2 J

सामाजिक न्याय से आशय

मानव को समाज मे अपने हित बिना किसी भेद (धर्म, लिंग, जाति) के प्राप्त हो सके।

संवैधानिक प्रावधान :

(i) भारतीय संविधान की 'प्रस्तावना' मे सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक समानता का विचार।

(ii) अनु. 15 (1) अनुसार :
मौलिक अधिकारो मे धर्म, जाति, लिंग, वंश, जन्म स्थान के नाम पर भेद का निषेध।

(iii) महिलाओ व बच्चो के लिए राज्य विशेष प्रावधान कर सकता है (अनु. 15(3))

(iv) अल्पसंख्यको, पिछड़े वर्गों के लिए विशेष प्रावधान (16(4))

(v) नीति निदेशक तत्वो मे समान कार्य के लिए पुरुष एवं महिलाओ को समान वेतन

(vi) बालको की सुकुमार अवस्था की देखरेख।

2020-8-19 18:03

2 K

राष्ट्रीय महिला आयोग एक संविधिक निकाय है जिसका गठन महिला आयोग अधिनियम-1990 के द्वारा 1992 में हुआ

संरचना

→ महिला आयोग एक बहुसदस्यी निकाय है।

1 अध्यक्ष

5 सदस्य (एक अनुसूचित जाति या जनजाति से संबंधित)

- प्रशासनिक कार्य के लिए एक सचिव होता है।

कार्य व शक्तियाँ

(i) महिलाओं संबंधी वर्तमान कानूनों की समीक्षा तथा संशोधन हेतु सुझाव देना।

(ii) दोषी उत्पीड़न संबंधी जाँच तथा संबंधित अधिकारी को सूचित करना।

(iii) महिलाओं के हितों की रक्षा करना

(iv) आयोग सिविल न्यायालय की शक्ति रखता है, किसी भी व्यक्ति को समन जारी कर सकता है।

आकार IAS
160/4, A B Road, Pipliya Rao, Near Vishnupuri I-Bus Stop, Indore (MP)
aakarias2014@gmail.com
www.aakarias.com
9713300123, 8770675662

2020-8-19 18:03

२ 1

लोकतंत्रात्मक व्यवस्था मे नागरिको की भूमिका अहम है।
अतः शासन एवं प्रशासन के संचालन मे जनता की भागेदारी जनभागेदारी कहलाती है।

सुशासन की स्थापना मे भी जनभागेदारी एक अहम स्तम्भ है।

सीमाएँ
(i) प्रशासकों तथा जनता के मध्य उचित संवाद मंचो की कमी।
(ii) तकनीकी ज्ञान की कमी।
(iii) हमारी प्रशासनिक कार्यपद्दति की द्रणता।
(iv) जनभागेदारी मे नागरिको की रुची नहोना।
(v) अशिक्षा व जागरूकता का अभाव

अतः इन सीमाओ को दूर प्रशानिक कार्यकुशलता सुनिश्चित की जा सकती है।

आकार IAS
160/4, A B Road, Pipliya Rao, Near Vishnupuri I-Bus Stop, Indore (MP)
aakarias2014@gmail.com
www.aakarias.com
9713300123, 8770675662

2020-8-19 18:03

2 H

अखिल भारतीय सेवाएँ केन्द्रीय एवं राज्य सेवाओं के अतिरिक्त ऐसा सेवा वर्ग है जिनका चयन, प्रशिक्षण केन्द्र किन्तु यह राज्य व केन्द्र दोनों के लिए कार्य करती है।

(i)

अखिल भारतीय सेवाओं की आवश्यकताएँ

प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. लोक सेवा आयोग
3 A	

भारतीय संविधान के भाग-3 में मूल अधिकारो का विवरण है जिसमे स्वतंत्रता के अधिकार अनु 19 से 22 तक प्रावधान करते है।
ये अधिकार व्यक्ति की अभिव्यक्ति तथा गरिमा को सुनिश्चित करते है।

स्वतंत्रता के अधिकार
- अनु-19 - वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।
- अनु 20 - अपराधो के लिए दोषसिद्धी के संबंध मे संरक्षण।
- अनु 21 - प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण
- अनु-21(क) प्रारंभिक शिक्षा का अधिकार (86वां संविधान संशोधन)
- अनु 22 कुछ दशाओ मे गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण

(1) वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता:
इस खण्ड मे 6 स्वतंत्रताए वर्णित है
19(1)(क) - भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रताएँ
19(1)(ख) शांतिपूर्ण व हथियार रहित सम्मेलन

आकार IAS
160/4, A B Road, Pipliya Rao, Near Vishnupuri I-Bus Stop, Indore (MP)
aakarias2014@gmail.com
www.aakarias.com
9713300123, 8770675662

2020-8-19 18:03

19(1)(ग) संगम व सहकारी समिति बनाने का अधिकार

19(1)(घ) - भारत के राज्यक्षेत्र मे अबाध संचरण का अधिकार।

19(1)(ङ) - भारत के किसी भी भाग मे निवास व बसने का अधिकार।

19(1)(छ) - कोई वृत्ति, आजीविका, व्यवसाय या व्यापार करने का अधिकार।

19(1)च मे वर्णित सम्पत्ति के अधिकार को 44वे संविधान संशोधन द्वारा हटा दिया गया।

(2) अपराधो के लिए दोषसिद्धी के संबंध मे संरक्षण :-

राज्य किसी व्यक्ति को मनमाने तरीके से दण्डित न कर सके।

(i) 20(1) भूतलक्षी दाण्डिक विधियो का संरक्षण।

(ii) 20(2) दोहरे दण्ड से संरक्षण

(iii) 20(3) अपने ही विरुद्ध गवाही देने से संरक्षण

③ प्राण व दैहिक स्वतंत्रता :- किसी व्यक्ति को दैहिक स्वतंत्रता से केवल विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया अनुसार ही वंचित किया जा सकता है।
न्यायालय द्वारा इसमे गोपनीयता का अधिकार, स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार, आदि को भी समय समय पर शामिल किया है।

④ शिक्षा का अधिकार :- 86 वे संविधान संशोधन अधि० 2002 मे इसे 14 वर्ष तक के बच्चो को अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान है।

⑤ गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण :-
(i) गिरफ्तारी का कारण जानने का अधिकार।
(ii) अपनी रुचि के वकील से मामला प्रस्तुत कराने का अधिकार।
(iii) 24 घण्टे के अन्दर मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुती का अधिकार।

इस प्रकार स्वतंत्रता का अधिकार भारतीय संविधान की मूल भावना मे

आकार IAS
160/4, A B Road, Pipliya Rao, Near Vishnupuri I-Bus Stop, Indore (MP)
aakarias2014@gmail.com
www.aakarias.com
9713300123, 8770675662

मुख्य परीक्षा
म.प्र. लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

हाशिए में न लिखें

स्पष्ट है। न्यायालय ने भी समय समय पर इनका विस्तार किया है। अतः व्यक्तिगत स्वतंत्रता ही लोकतंत्रात्मक व्यवस्था का मूल है।

2020-8-19 18:03

3 B

भारतीय सुप्रीम कोर्ट अमेरिका की कोर्ट के समान परिसंघीय न्यायालय, मूल अधिकारो का संरक्षक, संविधान का अन्तिम व्याख्याकार है, ब्रिटेन के समान सिविल व अपराधिक मामलो के अपील की अन्तिम न्यायालय है।

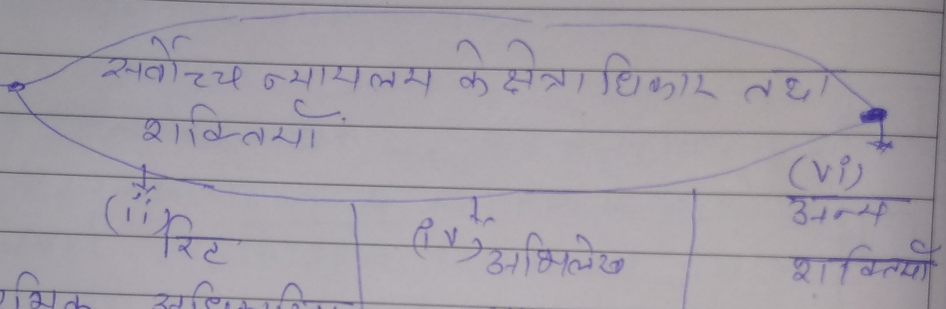

सर्वोच्च न्यायलय के क्षेत्राधिकार तथा शक्तियाँ
- (i) आंरभिक अधिकारिता
- (ii) रिट अधिकारिता
- (iii) अपीलीय अधिकारिता
- (iv) अभिलेख न्यायलय
- (v) न्यायिक पुनरावलोकन
- (vi) अन्य शक्तियाँ

(i) आंरभिक अधिकारिता – ऐसे मामले जिनकी शुरुआत सर्वोच्च न्यायल मे हो सकती है। जिसका उल्लेख ~~केवल~~ अनु 131 मे है।

ऐसे विषय है :-
- (i) भारत सरकार बनाम अन्य राज्य सरकार
- (ii) दो या अधिक राज्यो के बीच

आकार IAS
160/4, A B Road, Pipliya Rao, Near Vishnupuri I-Bus Stop, Indore (MP)
aakarias2014@gmail.com
www.aakarias.com
9713300123, 8770675662

2020-8-19 18:03

(ii) भारत सरकार + राज्यसरकार बनाम अन्य राज्य

(2) रिट अधिकारिता :- मूलअधिकारो की रक्षा के लिए अनु. 32 अनुसार रिट जारी कर सकता है।

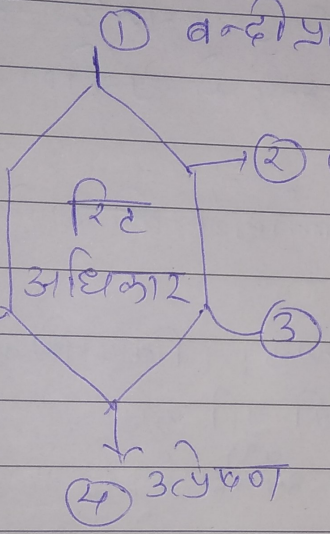

(3) अपीलीय अधिकारिता :- सर्वोच्च न्यायालय सिविल तथा अपराधिक सभी तरह के मामलो मे अपील का अन्तिम न्यायालय है।

(4) सलाहकारी अधिकारिता :- राष्ट्रपति अनु. 143 अनुसार विधी या तथ्य को प्रश्न उत्पन्न होने पर उच्चतम न्यायालय को निर्देशित

कर सकेगा। किसी ऐसी सलाह को राष्ट्रपति मानने को बाध्य नहीं है।

(5) अभिलेख न्यायालय: अनु० 129 अनुसार न्यायालय के सभी निर्णय, आदेश, निर्देश स्थायी स्मृति में सुरक्षित रखे जाते हैं ताकि सभी अधिनस्थ न्यायालय उन्हें अपने उदाहरणों के रूप में प्रयोग कर सके।

[6] न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति:

इसके अन्तर्गत न्यायपालिका विधायिका द्वारा बनाए गए किसी भी कानून या कार्यपालिका आदेशों का संवैधानिक ढांचे के अनुरूप परीक्षण कर उसे शून्य घोषित कर सकती है। साथ ही वह स्वयं के निर्णयों की भी समीक्षा कर सकती है।

(7) अन्य शक्तियाँ - उच्च न्यायालयों का स्थानांतरण, स्वयं के नियम व नियुक्तियाँ, जनहित याचिका सुनना आदि

इस प्रकार उच्चतम न्यायालय एक परिसंघीय न्यायलय है जो न्यायव्यवस्था का केन्द्रबिन्दु है। यह पूर्णतः स्वतंत्र व्यवस्था।

2020-8-19 18:03

का परिचायक है। तथा इसके आदेश तथा निर्णय सम्पूर्ण भारत राज्यक्षेत्र में अनिवार्य रूप से लागू होते है।

2020-8-19 18:04

प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. लोक सेवा आयोग
3 C	

भारत में उच्च लोकसेवाओं में भर्ती तथा अन्य कार्मिक प्रशासन कार्यों की निष्पत्ति के लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान संविधान के अनु 315 में है।
इस प्रकार यह एक संवैधानिक संस्था है

संरचना :-
(i) इसका एक अध्यक्ष तथा 10 सदस्य होते हैं। सदस्य निर्धारण की संख्या कार्य राष्ट्रपति करता है।
(ii) आयोग के आधे सदस्य भारत सरकार या राज्य सरकार के अधीन कम से कम 10 वर्ष काम करने का अनुभव हो।
(iii) अध्यक्ष एवं सदस्यों की सेवाशर्तें निर्धारित करने की शक्ति राष्ट्रपति को है।
(iv) पद अवधि -
6 वर्ष या 65 वर्ष आयु जो भी पहले हो।
(v) दुर्व्यवहार एवं कदाचार के आधार पर पदच्युत के लिए उच्चतम न्यायालय की रिपोर्ट पर राष्ट्रपति हटा सकता है।

आकार IAS
160/4, A B Road, Pipliya Rao, Near Vishnupuri I-Bus Stop, Indore (MP)
aakarias2014@gmail.com
www.aakarias.com
9713300123, 8770675662

2020-8-19 18:04

वर्तमान अध्यक्ष – अरविन्द सक्सेना

संघ लोक सेवा आयोग भूमिकाएँ : अनु 320 के अनुसार

(i) संघ के लिए नियुक्तियो के लिए परीक्षाओ का आयोजन करना।

(ii) यदि एक या अधिक राज्य भर्ती के लिए आग्रह करने पर उनकी सहायता करना।

(iii) ~~सरकार~~ संघ सरकार को निम्न मामलो मे सलाह देना

(a) असैनिक सेवाओ मे बहाली के तरीके से संबंधित मामले।

(b) तरक्की व बदली मे।

(c) सरकारी अधिकारियो के अनुशासन संबंधी।

(d) सरकारी कर्मचारी को किसी कर्तव्य मे क्षति पहुँचे उसके संबंध मे।

(e) राष्ट्रपति या राज्यपाल द्वारा निर्दिष्ट

2020-8-19 18:04

अन्य विषयो में।

~~सं~~ यद्यपि संघ लोकसेवा आयोग ~~सम~~ अब तक सफलतापूर्वक अपने कार्यों का निर्वहन करता है किन्तु कुछ मामलो मे इसकी आलोचना चर्चा मे रही:

(i) परीक्षा पैटर्न को लेकर हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियो के साथ पक्षपात का आरोप हैं।

(ii) सिविल सेवको का भ्रष्टाचार मे लिप्त पाया जाना प्रश्न चिन्ह खड़े करता है।

(iii) परीक्षा पेपर मे हिन्दी के अनुवाद को लेकर विवाद उत्पन्न होते हैं।

(iv)

निष्कर्षत: कहा जा सकता है संघ लोक सेवा एक उत्कृष्ट नियुक्ति प्रक्रिया का संचालन करने वाला देश का सर्वोच्च निकाय है। स्वतंत्रता पश्चात नौकरशाही को कुशल व नवीनतम विचारो

आकार IAS
160/4, A B Road, Pipliya Rao, Near Vishnupuri I-Bus Stop, Indore (MP)
aakarias2014@gmail.com
www.aakarias.com
9713300123, 8770675662

2020-8-19 18:04

प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. लोक सेवा आयोग
☐ ☐	के साथ जोड़ने का कार्य किया है।
☐ ☐	
☐ ☐	
☐ ☐	
☐ ☐	
☐ ☐	
☐ ☐	
☐ ☐	
☐ ☐	
☐ ☐	

2020-8-19 18:04